PPD

अर्द्धवार्षिक परीक्षा – 2026-27
कक्षा : 12
विषय : सामान्य हिन्दी

समय : 3:00 घण्टा **(पूर्णांक : 100)**

नोट– इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड– क

1. (क) रानी केतकी की कहानी के लेखक कौन हैं– **1 × 5 = 5**

() राजा लक्ष्मण सिंह (ब) श्रद्धा राम फिल्लौरी

() इंशा अल्ला खाँ (द) मुंशी सदासुख लाल

(ख) सरस्वती पत्रिका के सम्पादककर्ता कौन थे–

() महावीर प्रसाद द्विवेदी (ब) श्यामसुन्दर दास

() पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (द) हरदेव बाहरी

(ग) चौरासी वैष्णवन की वार्ता के लेखक कौन हैं–

() विट्ठलनाथ (ब) गोकुलनाथ

() नाभादास (द) चतुर्भुजदास

(घ) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्रिका है–

() कवि वचन सुधा (ब) हिन्दी प्रदीप

() विशाल भारत (द) साहित्य संदेश

(ङ) 'शेखर एक जीवनी' के लेखक कौन हैं–

() जयशंकर प्रसाद (ब) भीष्म साहनी

() भगवतीचरण वर्मा (द) सच्चिदानन्द हीरानन्द अज्ञेय

2. (क) तारसप्तक का प्रकाश वर्ष क्या है– **1 × 5 = 5**

() 1954 ई. (ब) 1943 ई.

() 1938 ई. (द) 1936 ई.

(ख) नयी कविता काव्य संकलन के सम्पादककर्ता कौन थे–

() रामेश्वर शुक्ल और डॉ. रामविलास शर्मा

() डॉ. जगदीशगुप्त और रामस्वरूप चतुर्वेदी

() बालकृष्ण शर्मा और रामधारी सिंह दिनकर

() शिवमंगल सिंह सुमन

(ग) प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई–

() 1943 ई. में (ब) 1954 ई. में

() 1938 ई. में (द) 1936 ई. में

(घ) चिदम्बरा किसकी रचना है–

() महादेवी वर्मा (ब) सुमित्रानन्दन पंत

() माखनलाल चतुर्वेदी (द) मैथिलीशरण गुप्त

(ङ) दीपशिखा किसकी रचना है–

() सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (ब) महादेवी वर्मा

() सुमित्रानन्दन पंत (द) जयशंकर प्रसाद

3. दिए गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2 × 5 = 10**

जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का सन्तत् वाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

() पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

() गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

() सूर्य की रश्मियों का क्या प्रभाव पड़ता है ?

() 'घाटों का निर्माण' का आशय स्पष्ट कीजिए।

() 'सन्तत्-वाही' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुन्दरियों के आसिंजनकारी नूपुरोंवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कांधों पर से ही फूटा उठता था।

() प्रस्तुत गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

() गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

() अशोक के फूल आने के सम्बन्ध में लेखक के क्या विचार हैं ?

() किस फूल की सुन्दरता के कारण सुन्दरियाँ उन्हें अपने कानों का आभूषण बनाती हैं ?

() संस्कृत के किस कवि ने अशोक को अपने साहित्य में स्थान दिया ?

4. दिए गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **$2 \times 5 = 10$**

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले।
जाके आये न मधुवन से ओ न भेजा संदेशा।
मैं रो-रो के प्रिय विरह से बावली हो रही हूँ।
जा के मेरी सब दु:ख कथा श्याम को तू सुना दे।

() राधा किसके द्वारा कृष्ण को संदेश भिजवाती है ?

() कृष्ण के सौन्दर्य का उल्लेख कीजिए।

() रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

() राधा की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

() उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

अथवा

मुझे फूल मत मारो,
मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो।
होकर मधु के मीत मदन, पटु, तुम कटु, गरल न गारो।

मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो।
नहीं भोगिनी यह मैं कोई, दजों तुम जाल पसारी,
बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह-यह हरनेत्र निहारो।
रूप-दर्प कन्दर्प तुम्हें तो मेरे पति पर बारो,
लो यह मेरी चरण-धूलि उस रति के सिर पर धारो॥

() उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक एवं रचयिता का नाम लिखिए।

() रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

() कवि ने 'अबला बाला वियोगिनी' को किसके लिए प्रयोग किया हैं ?

() 'सिन्दूर बिन्दु' की तुलना किससे की गयी है ?

() चरण-धूलि में कौन सा समास हैं ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए– **5**

() वासुदेवशरण अग्रवाल (ब) कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'

() हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए– **5**

() जयशंकर प्रसाद (ब) मैथिलीशरण गुप्त

() अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

6. 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में कीजिए। **5**

अथवा

'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए।

7. 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।
5

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्रांकन कीजिए।

खण्ड– ख

8. **(क)** दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– **2 + 5 = 7**

संस्कृत साहित्यस्य आदिकवि: वाल्मीकि: महर्षिव्यास:, कविकुलगुरू: कालिदास अन्य च भास-भारवि 'भवभूत्यादयौ महाकवय: स्वकीयै: ग्रन्थरत्नै: अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभि: मातृसमं सम्माननीया, वन्दनीया च यतो भारतमातु: स्वातन्त्र्यं गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। तत: सुष्ठूक्तम् भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती इति।

अथवा

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच– येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम्। यदेव भगवान् केवलममृतत्त्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि। याज्ञवल्क्य उवाच– प्रिया न: सती त्वं प्रियं भाषसे। एहि, उपविश, व्याख्यास्यामि ते अमृतत्त्वसाधनम्।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– **2 + 5 = 7**

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं,
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः,
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः॥

अथवा

न मे रोचते भद्रं व उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए– **1 + 1 = 2**

() आँखों का तारा होना (ख) गागर में सागर भरना

() अन्धे की लकड़ी होना (घ) हाथ कंगन को आरसी क्या

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए–

यह सत्य है कि उम्र के अंतिम पड़ाव पर वरिष्ठ नागरिकों की अपनी शारीरिक व्याधियाँ सिर उठा लेती है, परन्तु यह उनकी वास्तविक समस्या नहीं है। उनकी वास्तविक समस्या मानसिक है। यह मान लिया जाता है कि अब शारीरिक और मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा, चाहे वह स्वस्थ ही क्यों न हो। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता में कमी आती है, वह सामाजिक रूप से भी अनुपयोगी मान लिया जाता है। वह समाज एवं परिवार की नजरों में 'बोझ', 'अनुपयोगी' तथा 'फालतू' मानने से उसे मानसिक पीड़ा होती है।

() वरिष्ठ नागरिकों की वास्तविक समस्या क्या है ? **1**

() वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक रूप से अनुपयोगी क्यों मान लिया जाता है ? **2**

() वरिष्ठ नागरिक को क्या-क्या मानने से मानसिक पीड़ा होती है ? **2**

अथवा

वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी पर सर्वप्रथम अस्तित्व में आने वाले एककोशिकीय जीव अमीबा एवं पैरामीशियम के जन्म के पीछे मिथेन ही कारक रही हैं। आपू जानकारी के अनुसार मंगल की सतह पर स्थित चट्टानों में लौह तत्व की प्रधानता है। फलस्वरूप हवा की उपस्थिति में वहाँ जंग लगने की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से चलती रहती है। इसी कारण इस ग्रह की मिट्टी लाल है और आँधी चलने पर यहाँ का वातावरण गुलाबी बादलों से भर जाता है। इन्हीं कारणों से मंगल ग्रह को लाल ग्रह भी कहा जाता है। मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला भारत पहला एशियाई देश बन गया।

() मंगल की सतह पर चट्टानों में किस तत्व की प्रधानता है ?

() मंगल ग्रह की मिट्टी किस कारण से लाल है ?

() पृथ्वी पर सर्वप्रथम अस्तित्व में आने वाले एककोशिकीय जीव अमीबा और पैरामीशियम हैं।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए– **1 + 1 = 2**

(अ) वसन–व्यसन

(1) विवश और व्याकुल (2) वस्त्र और आदत

(2) कवच और भोजन (4) विस्तार और अवधि

(ब) अंश–अंशु

(1) भाग और सूर्य (2) सूर्य और भाग

(2) भाग और किरण (4) भाग और वरुण

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए– **1 + 1 = 2**

() अम्बर (ब) अलि (स) कनक (द) जलज

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए–

1 + 1 = 2

(अ) जो ईश्वर में विश्वास करता है–

(1) नास्तिक (2) स्मरणीय (3) विश्वसनीय (4) आस्तिक

(ब) जानने की इच्छा रखने वाला–

(1) ज्ञानी (2) जिज्ञासा (3) जिज्ञासु (4) जानकर

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– **1 + 1 = 2**

() इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं।

() एक फूल की माला लाओ।

() कृष्ण और राधा नृत्य करते हैं।

() उसका प्राण निकलने वाला है।

12. (क) शृंगार अथवा करुण रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। **1 + 1 = 2**

(ख) अनुप्रास अथवा यमक अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। **1 + 1 = 2**

(ग) दोहा अथवा चौपाई की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। **1 + 1 = 2**

13. किसी बैंक से शाखा प्रबन्धक को स्कूल यूनिफॉर्म (ड्रेस) की दुकान खोलने हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए। **2 + 4 = 6**

अथवा

अपने मुहल्ले या वार्ड की सफाई हेतु नगर-निगम अधिकारी को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए– **2 + 7 = 9**

() पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान।

() भारतीय किसानों की समस्याएं और समाधान।

() बेरोजगारी की समस्या और समाधान।

() जनसंख्या वृद्धि: समस्या और समाधान।

***